अवधेश प्रताप सिंह विश्व विद्यालय रीवा (म.प्र.)

पी० एच० डी० (प्रवेश परीक्षा)

पाठ्य क्रम - संगीत पूर्णांक - 100

समय 02 घंटे

पाठ्य क्रम दो भागों (खण्डों) में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड में 50-50 प्रश्न बहु विकल्पीय हल करना होंगे।

खण्ड - अ

शोध - प्रविधि

1) शोध अर्थ, पर्याय, शोध का स्वरूप, विभिन्न परिभाषायें शोध के प्रकार

2) शोध का उद्देश्य, शोध में प्रेरणा, शोध के प्रकार

3) अनुसंधान की अनिवार्यतायें, अनुसंधान के मूल भूत चरण

4) शोध कर्ता की सावधानियाँ, अनुसंधान के प्रेरक तत्व अनुसंधान की उपयोगिता - शोध अध्ययन में वस्तुनिष्ठता की आवश्यकता

5) संगीत में शोध, संगीत में शोध की आवश्यकता, संगीत में शोध के क्षेत्र, संगीत में शोध की समस्यायें

6) शोध की क्रिया विधि, शोध के क्षेत्र, विषय सामग्री का संकलन संगीत में शोध के लिये सामग्री स्रोत,

7) वर्गीकरण, विश्लेषण, ~~प्रश्न~~ उपकल्पनाएं, प्रश्नावली के प्रकार

8) संदर्भ ग्रंथ सूची की विधि एवं अवधारणा, शोध संक्षेपिका का प्रस्तुतीकरण, शोध प्रबंध तैयार करने की तकनीक

9) अनुसंधान की पद्धतियाँ - ऐतिहासिक एवं आगमन विधि, प्राकल्पना एवं वैज्ञानिक विधि, तुलनात्मक विधि

10) संगीत में शोध ~~की नवीन प्रविधि व तकनीक~~ - संगीत में शोध के नवीन आयाम, संगीत में वैज्ञानिकता का प्रभाव

खण्ड - ब

संगीत - शास्त्र

(1) भारतीय संगीत का इतिहास :- उत्पत्ति, भारतीय संगीत के इतिहास (वैदिककालीन से आधुनिककाल (वर्तमान) काल तक)

(2) भारतीय ~~शास्त्रीय~~ संगीत की प्रमुख गायन - वादन एवं नृत्य की शैलियाँ (प्रकार)

(1) शास्त्रीय संगीत — शास्त्रीय नृत्य की प्रमुख शैलियाँ
(2) सुगम संगीत — म.प्र. की प्रमुख लोक नृत्य शैलियाँ
(3) लोक संगीत

(3) वाद्य वर्गीकरण का सिद्धान्त, राग वर्गीकरण का सिद्धान्त, थाट-राग पद्धति, रागों का समय सिद्धान्त

(4) ताल वाद्यों में प्रयुक्त प्रमुख तालों ~~[illegible]~~ की शास्त्रीय परिचय एवं ठेकों की जानकारी एवं लिपिबद्ध करने का ज्ञान -

(5) लय एवं लयकारियाँ, घराना का आशय एवं गायन, वादन तथा नृत्य के प्रमुख घरानों का सम्पूर्ण अध्ययन, म.प्र. के प्रमुख घरानों की जानकारी

(6) प्रमुख संगीत शास्त्रकारों का परिचय एवं इनके ग्रंथों की जानकारी - नाट्यशास्त्र, संगीत रत्नाकर, बृहद्देशी, संगीत पारिजात, चतुर्दण्डिका प्रकाशिका, अभिनव दर्पण, संगीत चिन्तामणि, भरत, शारंगदेव, अहोबल, श्रीनिवास, मतंग, पं. बृहस्पति एवं आधुनिक संगीतकार व्यंकटमखी, रामामात्य, कोहल, दामोदर पंडित, एवं संगीतिज्ञ

(7) म.प्र. के प्रमुख संगीतकारों का परिचय एवं योगदान की जानकारी :-

(8) सौंदर्य शास्त्र एवं रस सिद्धान्त, संगीत एवं मनोविज्ञान संगीत - रस

(9) भारतीय संगीत की शिक्षण पद्धतियाँ - (परम्परागत एवं संस्थागत) गायक - वादकों एवं नर्तकों के गुण - दोषों का अध्ययन। ... वादिक एवं तकनीकी / संसाधनों में संगीत ...

डॉ. [illegible]